हमारी संस्कृति, सभ्यता को आगे बढ़ाने का समय: लोकसभा अध्यक्ष

रांची, 30 सितम्बर 2018 : रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में चल रहे चार दिवसीय लोक मंथन-2018 कार्यक्रम के समापन समारोह में लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन ने मुख्य अतिथि के तौर पर भाग लिया, जिसका शुभारंभ माननीय उपराष्ट्रपति, श्री वेंकैया नायडू ने 27 सितम्बर 2018 को किया था।

अपने समापन संबोधन में लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि लोक मंथन वास्तव में कुम्भ मेला है जहां पूरे देश के मूर्धन्य विद्वान और मनीषी एकत्र होकर देश के वर्तमान और भविष्य का चिंतन कर रहे हैं। श्रीमती महाजन ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिन महापुरुषों के चरित्र मैंने पढ़े हैं, चाहें वे रामदास हों या विवेकानंद, सबने अपनी युवावस्था में देश-काल-परिस्थिति का विवेचन किया है। उन्होंने युवाओं का जागृत करने का कार्य किया था। लोक सभा अध्यक्ष ने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश के विभिन्न स्थानों पर जाएं और वहां की लोक संस्कृति का अध्ययन करें, विद्वतजनों के सानिध्य में उस पर चिंतन करें और फिर देश के लिए जो अच्छा है, वह करें।

लोक सभा अध्यक्ष ने आगे यह कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। सरकार क्या है इसे हमें समझने की जरूरत है। इसलिए जन का मन भी गन का मन बनना जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश-हित के लिए हर सम्भव प्रयास करना हम सबका कर्तव्य है। जब तक हम सबके अंदर इस देश के प्रति अपनत्व की भावना सुदृढ़ नही होगी, तब तक इस देश का सर्वांगीण विकास सम्भव नही है। श्रीमती महाजन ने यह भी कहा कि लोकतंत्र में हर विषय पर बहस हो, विचार-विमर्श हो, यदि आवश्यकता हो तो मतभेद भी हो पर अंत मे निर्णय देश के भले को ध्यान में रखकर होना चाहिए।

स्त्री पुरुष समानता की बात करते हुए श्रीमती महाजन ने कहा कि वे दोनों एक रथ के पहिये हैं लेकिन स्त्री रथ की सारथी है और वह समाज का पथ प्रदर्शन करने की क्षमता रखती है। गौ पालन के बारे में विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि गाय हमारी माता है और गायों के लिए बेहतर व्यवस्था की जानी चाहिए। लेकिन यह सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह हम सब को मिल कर करना है क्योंकि जब समाज खड़ा होता है तो देश आगे बढ़ता है।

अंत में लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि हमारे उत्सव, हमारी परम्पराएं लोक संस्कृति के उत्थान के उपकरण हैं। कोई भी उत्सव हो, घर मे कोई कार्यक्रम आयोजित हो, उससे अनेकों को रोजगार मिलता है। मैं लोकमन्थन के आयोजकों को इस अद्भुत आयोजन के लिए बधाई देती हूं।

लोक मंथन के समापन समारोह में झारखंड के मुख्यमंत्री, श्री रघुबर दास, झारखंड विधानसभा अध्यक्ष श्री दिनेश उरांव, खेल एवं युवा मामलों के मंत्री, श्री अमर कुमार बाउरी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।